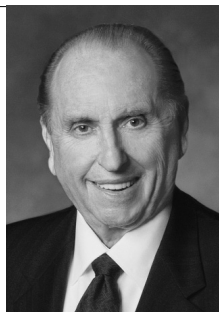

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

क्या हम तैयार हैं ?

एक इलाका जिस में मैं कभी रहा और सेवा किया करता था, गिरजा एक मुर्गी पालन परियोजना संचालित करता था, लोकल वार्ड के स्वंयसेवकों द्वारा जो कि मुख्य कर्मचारी थे । अधिकांश समय यह एक कूशलतापूर्वक संचालित परियोजना थी, जो बिशप के भंडार घर में हजारों ताजे अंडे और सैकड़ों पाउंड प्रसाधित मुर्गियों की आपूर्ति करती थी । कुछ अवसरों पर, फिर भी, स्वंयसेवक शहर के किसान होने का मतलब न केवल हाथों पर छाले होना था परंतु दिल और दिमाग का निराश होना भी था ।

उदाहरण के लिए, मुझे हमेशा वह समय याद रहेगा जब हम परियोजना को पूरी तरह से स्वच्छ करने के लिए हारुनी पौरोहित्य युवकों को इक्टठा करते थे । हमारी उत्साह और चुस्ती से भरी भीड़ परियोजना के पास एकत्र होती और एक तेज़ रीति से घास फूस और मलबे की बड़ी मात्रा को उखाड़ती, इक्टठा करती और जला देती । हम चमकते बॉनफायर के प्रकाश में हॉट डॉग खाते और अपने आप को एक अच्छा कार्य करने पर बधाई देते ।

परन्तु, वहां सिर्फ एक दुर्घटनापूर्ण समस्या थी । शोर और आग ने 5,000 अण्डे देने वाली मुर्गियां कि दुर्बल जनसंख्या को इतना परेशान कर दिया कि उनमें से बहुतों के अचानक पंख गिरने लगे और उन्होंने अंडे देना बंद कर दिया । उसके बाद हमने कुछ घास फूस को सहन किया ताकि हम अंडों का और उत्पादन कर सकें ।

इस अनुभव को गिरजे का कोई भी सदस्य जिसने उन जरूरतमंदों को मदद प्रदान की कभी न भूलता है और न ही पछताता है । हमारे लिये परिश्रम, कमखर्च, आत्मनिर्भरता और दूसरों के साथ बांटना कुछ नया नहीं है ।

हमें याद रहें की सबसे सर्वश्रेष्ठ भंडार घर की व्यवस्था वह है जब गिरजे के हर परिवार के पास भोजन, कपड़े, और, जहां संभव, जीवन की दूसरी आवश्यकताएं उपलब्ध हों । प्रभु के भंडार घर में विश्वसनीय गिरजा के सदस्यों का समय, योग्यता, निपुणता, करूणा, पावन वस्तु, और वित्तीय साधन सम्मिलित है । यह साधन बिशप के पास जरूरतमंदो की मदद के लिए उपलब्ध रहते हैं ।

हम सभी अन्तिम-दिनों के सन्तों से अनुरोध करते हैं कि अपनी योजना में बुद्धिमान हो, अपने रहन सहन में बचाऊ हों, और अत्याधिक या अनाअवश्यक कर्ज से दूर रहें । बहुत से लोग अपने आर्थिक जीवन में इस उछाल और लहर भरी आंधी से बाहर आ सकते हैं यदि उनके पास खाने और कपड़े की आपूर्ति हो और वह कर्ज मुक्त हों । आज हम पाते हैं कि बहुतों ने इस सलाह का विपरीत रीति से पालन किया है; वे कर्ज से भरे हं और उनके पास खाना नहीं है ।

मैं वही दोहराता हूं जो कि प्रथम अध्यक्षता ने कुछ वर्ष पूर्व घोषित किया थाः

''कई वर्षों से अन्तिम-दिनों के सन्तों को थोड़ा धन विपत्ति के लिये अलग रख कर तैयार रहने की सलाह दी गई है । ऐसा करने से अत्याधिक सुरक्षा और सुख में बढ़ोतरी होती है । प्रत्येक परिवार की जिम्मेदारी है अपनी जरूरतों को जहा तक संभव हो सके प्रबंध करें ।

''हम आपको प्रोत्साहित करते हैं कि दुनिया में आप जहां भी रह रहें हो अपनी वित्त की परिस्थिति देख कर विपत्ति के लिये तैयार रहें । हम आपसे अनुरोध करते हैं की अपने खर्च करें; कर्ज से दूर रहने के लिये अपने आप को अपनी खरीदारी में अनुशासित करें । कर्ज को जितना जल्दी हो सके आप चुका दें, और अपने आपको इस बंधन से मुक्त करें । नियमित रूप से थोड़ा पैसा बचाऐं ताकि धीरे-धीरे एक वित्तीय कोष बना सकें ।''

क्या हम अपने जीवन में आपात स्थिति के प्रति तैयार हैं ? क्या हमारी योग्यता परिपूर्ण हैं ? क्या हम किफायत से रहते हैं ? क्या हमारे पास हमारे लिये अतिरिक्त कोष है ? क्या हम परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति आज्ञाकारी हैं ? क्या हम भविष्यवक्ता की सीख के प्रति उत्तरदायी हैं ? क्या हम गरीब को, जरूरत मंद को अपना धन देने के लिये तैयार हैं ? क्या हम प्रभु को दसमांश देते हैं ?

हम उग्र समय में रह रहें है । अक्सर भविष्य अज्ञात होता है इसलिए यह हमें उचित अनिश्चितताओं के लिए तैयार करता है । जब निर्णय करने का समय आता है, तैयारी करने का समय बीत चुका होता है ।

विवरण

1. प्रथम अध्यक्षता, *All Is Safely Gathered In: Family Finances* (pamphlet, 2007).

इस संदेश से शिक्षा

विचार करें उनकी जरूरतों का जिन्हें आप भेंट करने जाते हैं, उन तरीकों के बारे में सोचें जिससे की आप उनकी मदद नौकरी, वित्त, भोजन का भंडारण, या आपातस्थिति की तैयारी में आत्मनिर्भर होने में कर सकते है । एक गुण के बारे में सोचें जो आप उनके साथ बांट सकें, जैसे कि बागबानी या धन प्रबंधन, जोकि उन्हें अध्यक्ष मॉनसन की सलाह का अनुसरण करने में सशक्त करती हैं ।

युवा

मैंने फिर से सेवा की

जैन अराँजो द्वारा

एक दिन, एक सेवा परियोजना खत्म कर, मैं अपने मीटिंगहाउस के पास से जा रही थी और मैनें ईमारत की सफाई करते हुऐ दो बहनों को देखा । साधारण तौर से बोला,'' बहनों क्या आपको मदद की आवश्यकता है ? '' उनमें से एक मेरी ओर मुस्कराई और बोली की मैं बिलकुल सही समय पर आई क्योंकि केवल वही सफाई कर रहे थे और वह बहुत थक चुके थे । उसने कहा कि उसने प्रार्थना की थी कि प्रभु किसी को उनकी मदद के लिए भेज दे । मैं बहुत खुश थी कि मैं उनकी प्रार्थना का उत्तर थी । मैंने अभी किसी को सेवा देना संपन किया था और मैं भी थकी थी, परंतु मैंने अपने मन का अनुसरण किया और अपने आपको और सेवा के लिए अर्पण किया ।

प्रसन्नता से कार्य करना एक आज्ञा है (देखें सिऔरअनु 24:7)। जब हम में हर समय सेवा करने की इच्छा होती है, हम मदद करते हैं दूसरे लोगों के जीवन में चमत्कार होने की । हमारा जीवन और भी सार्थक बनता है जब हम सेवा करते हैं । प्रभु वास्तव में हम से प्रेम करता है, वह अपने हर बच्चे की मदद करता है, और वह हमें सेवा करने की शक्ति देता है ।

लेखिका रियो ग्रान्दे दो नार्ते, ब्राजील में रहती है ।

बच्चे

क्या आप तैयार हैं ?

उत्तरः सही, सही, गलत, सही, गलत

अध्यक्ष मॉनसन ने कहा है कि हम में से हर एक कठिन समय के लिए तैयार रहे और दूसरों के कठिन समय में उनकी मदद करने के लिए । यह देखने के लिए कि क्या आप तैयार हैं इस सही या गलत की प्रश्नोत्तरी को करें !

मैं हमेशा किसी को मदद के लिए ढूंढ सकता हूं ।

सही☐ गलत☐

मैं उन सब वस्तुओं के लिए आभारी हो सकता हूं जो मेरे पास पहले से है ।

सही☐ गलत☐

मेरे पास कोई भी हूनर नही है किसी के साथ बांटने के लिए ।

सही☐ गलत☐

भविष्य के लिए धन की बचत करना एक अच्छा सुझाव है ।

सही☐ गलत☐

मुझे खुश रहने के लिए नये कपड़ों और खिलौनों की जरूरत है ।

सही☐ गलत☐

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *First Presidency Message, September 2014* का अनुवाद । Hindi । 10869 294

यीशु मसीह का दिव्य मिशनः सान्त्वनादाता

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें ।उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई की समझ कैसे आपके विश्वास को बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए lds.org *पर जाएं*

विश्वास, परिवार, सहायता

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश का यह उद्धारकर्ता के सेवाकाई के पहलुओं का वर्णन करने की श्रंखला का एक भाग है ।

यीशु मसीह ने वादा किया है, '' मैं तुम्हें अनाथ नही छोडूंगा, मैं तुम्हारे पास आ रहा हूं ''(यहून्ना 14:18)। वह हमें ''राख दूर करके सुन्दर बनायेगा, विलाप दूर करके हर्ष का तेल देगा'' (यशायाह 61:3)। क्योंकि मसीह ने हम में से प्रत्येक के लिए प्रायश्चित किया, वह हमें नहीं भूलेगा । ''हमारे उद्धारकर्ता ने अपने ऊपर ले लिए है...हमारे दर्द, हमारी पीड़ा और मुसीबतों को ताकि वह जान सके कि हमें कैसा महसूस होता है और हमें कैसे दिलासा देनी है,'' लिंडा एस.रीवस ने कहा, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षयता में दूसरी सलाहकार ।

यह जानते हुये कि मसीह हमें दिलासा देगा हम में शांति ला सकता है और हमें प्रेरित करता है उसके उद्धाहरण का अनुसरण कर दूसरों की सेवा करने के लिये । अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा '' हमारा सुसमाचार का ज्ञान और हमारा हमारे स्वर्गीय पिता और हमारे उद्धारकर्ता से प्रेम हमें दिलासा और शक्ति देगा और हमारे मनों में खुशी लायेगा जब हम ईमानदारी से चलेंगें और आज्ञाओं का पालन करेंगे । इस संसार में कुछ भी ऐसा ना होगा जो हमें हरा सके ।

धर्मशास्त्रों से

यहून्ना 14:18, 23; अलमा 7:11–13; सिद्धान्त और अनुबंध 101:14–16

हमारे इतिहास से

ऐलैन एल. जैक, 12वीं सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा, ने कहा था,'' भेंट करने वाली शिक्षा में हम एक दूसरे तक पहुंचते हैं । अक्सर हाथ बोलते हैं जब आवाज नहीं । एक हार्दिक आलिंगन बहुतायत से बात करता है । एक हंसी हमें एक साथ एकजुट करती है । बांटने के क्षण हमारी आत्माओं को तरोताज़ा कर देते हैं । हम हमेशा उसका भार नही उठा सकते जो परेशान हैं, परंतु हम उसे उतना उठा सकते है ताकि वह उसे अच्छी तरह से सह सके ।

हमारी पथप्रर्दशक सहायता संस्था की बहनों ने ''आत्मिक शक्ति को एक दूसर के प्रेम और दया में पाया । ..जब उन्हें बीमारी और मृत्यु के परेशानी का सामना करना पड़ता था, उन्होंने विश्वास में एक दूसरे के लिए प्रार्थना की और एक दूसरे को सांत्वना दी । 'परमेश्वर का प्रेम मन से मन तक प्रवाहित हुआ,'हैलेन मर विटनी ने लिखा 'जब तक कि दुष्ट अपने प्रयासों में हमारे और प्रभु के बीच शक्तिहीन ना हुआ और उसकी क्रूर बर्छी, कुछ अवस्थाओं में, उनके दर्द को वंचित कर गई ।

विवरण

1. लिंडा एस.रिवज,''The Lord Has Not Forgotten You," *Ensign* or *Liahona,* Nov. 2012, 120 ।
2. थॉमस एस. मॉनसन, "Be of Good Cheer," *Ensign* or *Liahona,* May 2009, 92 ।
3. ऐलैन एल. जैक, in *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 119 ।
4. *Daughters in My Kingdom,* 34 ।

विचार करें

इस बात की समझ कि प्रभु आपको याद रखता है कैसे आपको दिलासा देती है ?

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *Visiting Teaching Message, September 2014* का अनुवाद । Hindi । 10869 294